2 अँधेरे का डर

(कहानी)

प्रतिध्वनि

"जैसे ही भय आपके करीब आए, उस पर आक्रमण कर उसे नष्ट कर दीजिए।" - चाणक्य

लगभग सभी अनूप को एक अच्छा बच्चा मानते थे। वह ऐसा था भी। पढ़ाई में होशियार, खेलों में बेहतर और हाजिर जवाब। पर अनूप का एक रहस्य था। उसे अँधेरे से बहुत डर लगता था। डर भी इतना कि अँधेरे कमरे में अकेले जाने की बात तो छोड़िए, मद्धिम रोशनी से भी उसे घबराहट होने लगती थी।

मम्मी-पापा के कमरे और कुमकुम के कमरे के बीच अनूप का सुंदर, हवादार कमरा था। फिर भी रात को सोने के लिए वह कुमकुम के कमरे में घुस आता था। कुमकुम को भैया से बड़ी चिढ़ होती, क्योंकि अनूप सारी रात एक बड़ा-सा बल्ब जलाए रखता।

अनूप को भी अपनी इस कमजोरी पर बड़ी बौखलाहट होती। वह खुद समझ नहीं पाता था कि अँधेरे में ऐसा क्या है जिसका उसे डर लगा रहता है।

एक दोपहर कक्षा अध्यापिका कक्षा में आईं और मेज पर ही बैठ गईं। बिना बताए बच्चे जान गए कि आज कुछ खास बात है। बच्चों की उत्सुकता को समाप्त करने के लिए उन्होंने घोषणा की- "हम लोग पिकनिक पर जा रहे हैं।"

पिकनिक पूरे दो दिन और दो रातों की थी। हर किसी को पिकनिक में आना जरूरी था। बच्चे तो खुशी से उछल पड़े। किलकारियाँ भरने लगे और मारे उत्तेजना के मेज थपथपाने लगे। किंतु अनूप के पेट में मारे डर के मरोड़े उठने लगे। दो दिन तो ठीक हैं, पर घर से दूर एक रात भी वह कैसे निकाल पाएगा?

अनूप बड़ी दुविधा में फँस गया था। रात को खाने की मेज पर अनूप का लटका हुआ मुँह देखकर पापा ने उसका कारण पूछा। पिकनिक की बात के साथ बिना रुके अनूप ने यह भी बता दिया कि दो दिनों तक मटरगश्ती करने के स्थान पर वह घर में रहकर पढ़ाई करना चाहता है। इसलिए पापा उसके लिए डॉक्टर के प्रमाण-पत्र की व्यवस्था कर दें।

पापा सब जानते थे कि पिकनिक छोड़कर अनूप को पढ़ाई क्यों सूझ रही है। उन्होंने कड़े शब्दों में कह दिया

कि अनूप को जाना ही होगा।

अनूप सोचने लगा, ''जंगल के अँधेरे में जो होगा सो होगा, सहपाठियों के सामने पोल खुल जाएगी सो अलग। बच्चू, बड़ा होशियार बना फिरता था।''

आखिरकार पिकनिक का दिन आ पहुँचा। बच्चे खुशी-खुशी बस में सवार हुए। गाते-हँसते, शोर मचाते सब चल पड़े। अनूप अपनी जगह पर सहमा-दुबका बैठा रहा।

झमझमा फॉल्स पहुँचकर उसने देखा कि जंगल के बीच में खुले हिस्से में 30-35 छोटे-छोटे तंबू लगे हैं। यहीं उन सबको रहना और सोना था। अध्यापिका ने बताया कि हर तंबू में दो बच्चे रहेंगे। इसलिए सभी बच्चे अपना-अपना साथी चुन लें। इस बार अनूप के सामने कोई दुविधा नहीं थी। उसने लपककर अजीत को जा पकड़ा। अजीत विद्यालय का जूडो चैंपियन था। अनूप का साथी बनने के लिए अजीत ने हाँ तो कह दिया था, लेकिन उसके चेहरे पर भी परेशानी के भाव थे। अनूप खुश था कि जूडो चैंपियन के साथ रहते अँधेरे से निकलकर कोई उसका कुछ नहीं बिगाड़ सकता था।

रात ठंडी थी। खाना-खाने के बाद दोस्तों की हँसी-ठिठौली में शामिल हुए बिना ही अनूप और अजीत बिस्तर में आ दुबके। अनूप इंतजार करता रहा कि अजीत अब रोशनी बंद करेगा, तब रोशनी बंद करेगा। तभी एक खरखरी फुसफुसाहट से अनूप चौंक उठा। अजीत उससे कुछ पूछ रहा था।

"क्या तुम्हें अँधेरे से डर लगता है?", अनूप को अपना भेद खुलता सा लगा। अरे! वह यह क्या देख रहा था? अजीत खुद थरथर काँप रहा था। अजीत ने बताया कि उसे अँधेरे से बहुत डर लगता है और एक आश्चर्य की बात हुई, अनूप ने खुद को यह कहते सुना कि अँधेरे से क्या डरना? अब वह स्लीपिंग-बैग परे हटाकर उठ बैठा।

यह तो अद्‌भुत था! अनूप को अपने आप पर विश्वास ही नहीं हो रहा था। उसने अजीत को थपथपाकर कहा, "दोस्त, तुम तो एकदम डरपोक निकले। डरो मत। मैं तुम्हारे साथ हूँ। तुम मेरा हाथ थाम लो और बेफिक्र होकर सो जाओ।", अनूप का हाथ थामकर अजीत निश्चिंत हो गया।

"लेकिन तुम मुस्करा क्यों रहे हो? कहीं यह बात सबको बता तो नहीं दोगे?", अजीत ने पूछा।

"तुम्हारी यह हालत देखकर मुझे ऐसा ही एक पागल लड़का याद आ गया।", अनूप ने दूर अँधेरे में ताकते हुए कहा, "लेकिन वह पुरानी बात है।"

जीवन मूल्य हमें निडर होकर जीना चाहिए। डर की वजह से हम जीवन में कई महत्वपूर्ण अवसर खो देते हैं।

शब्दार्थ

बौखलाहट - खीझ
मद्धिम - धीमी/कम/हल्की
मटरगश्ती - मस्ती
दुविधा - अनिर्णय की स्थिति
उत्तेजना - आवेग
निश्चिंत - चिंता रहित

3.

पाठ्यविषयी मूल्यांकन (Curricular Assessment)

लिखित [Writing Skills (comprehension, spelling, vocabulary, grammar)]

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) अनूप कैसा बच्चा था?

(ख) अनूप पिकनिक पर जाने के लिए क्यों तैयार न था?

(ग) अनूप ने अजीत को ही साथी क्यों चुना?

(घ) अजीत ने अनूप से क्या कहा?

(ङ) इस पाठ से हमें क्या शिक्षा मिलती है?

2. सही उत्तर पर (✓) का चिह्न लगाइए– [Multiple Choice Questions (MC

(क) अनूप कैसा बच्चा था?

(i) मूर्ख ○ (ii) घमंडी ○ (iii) होशियार

(ख) अनूप को किस चीज़ से डर लगता था?

(i) कुत्ते से ○ (ii) अँधेरे से ○ (iii) पानी से

(ग) अजीत क्या था?

(i) कबड्डी चैंपियन ○ (ii) तैराकी चैंपियन ○ (iii) जूडो चैंपियन

(घ) अनूप पिकनिक के लिए कहाँ गया था?

(i) मसूरी ○ (ii) गोवा ○ (iii) झमझमा फॉल्स

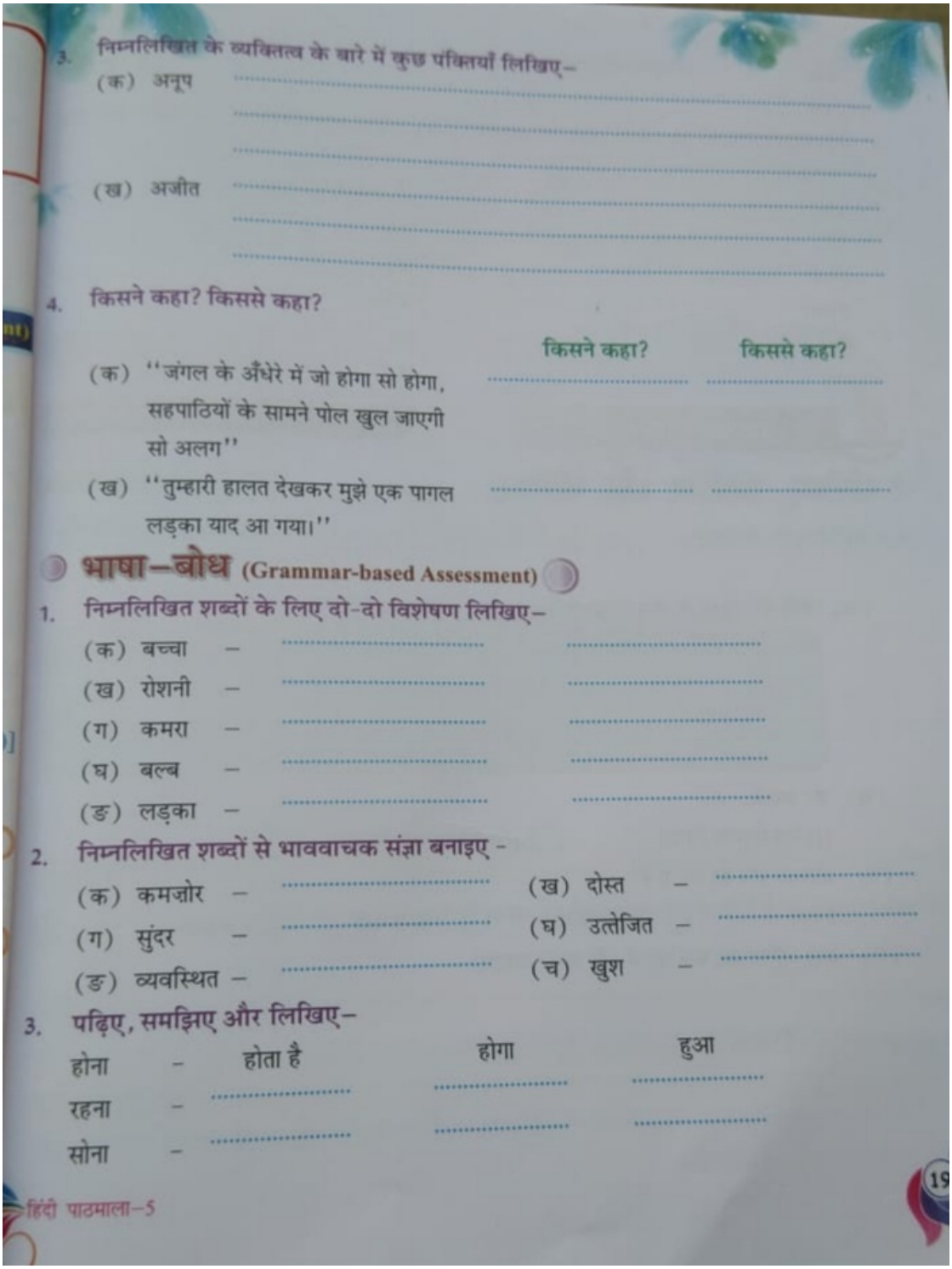

3. निम्नलिखित के व्यक्तित्व के बारे में कुछ पंक्तियाँ लिखिए–

(क) अनूप .....

.....

.....

(ख) अजीत .....

.....

.....

4. किसने कहा? किससे कहा?

	किसने कहा?	किससे कहा?
(क) "जंगल के अँधेरे में जो होगा सो होगा, सहपाठियों के सामने पोल खुल जाएगी सो अलग"	.....	.....
(ख) "तुम्हारी हालत देखकर मुझे एक पागल लड़का याद आ गया।"	.....	.....

भाषा–बोध (Grammar-based Assessment)

1. निम्नलिखित शब्दों के लिए दो-दो विशेषण लिखिए–

(क) बच्चा – ....

(ख) रोशनी – ....

(ग) कमरा – ....

(घ) बल्ब – ....

(ङ) लड़का – ....

2. निम्नलिखित शब्दों से भाववाचक संज्ञा बनाइए -

(क) कमज़ोर – ..... (ख) दोस्त – .....

(ग) सुंदर – ..... (घ) उत्तेजित – .....

(ङ) व्यवस्थित – ..... (च) खुश – .....

3. पढ़िए, समझिए और लिखिए–

होना	होता है	होगा	हुआ
रहना	.....	.....	.....
सोना	.....	.....	.....

पाठ2 अँधेरे का डर

कहानी का सारांश

यह कहानी एक ऐसे बच्चे अनूप पर आधारित है जो पढ़ाई में होशियार ,खेलों में बेहतर और हाजिर जवाब है। उसकी एक कमजोरी यह है कि उसे अँधेरे से बहुत डर लगता है ।इसी डर की वजह से वह बहन के कमरे में जाकर सो जाया करता है और पूरी रात लाइट भी बंद नहीं करता है। कई बार तो अनूप खुद भी अपनी इस कमजोरी को समझ नहीं पाता है।

एक बार अध्यापिका द्वारा पिकनिक पर जाने की घोषणा कक्षा में की जाती है । पिकनिक पूरे दो रात और दो दिन की है ।जिसमें सभी बच्चों को जाना अनिवार्य है ।पिकनिक पर नहीं जाने के लिए अनूप पापा के सामने कई तरह के बहाने बनाता है परंतु पापा उसकी कमजोरी से परिचित हैं ।इसलिए उन्होंने कड़े शब्दों में उसे पिकनिक पर जाने का आदेश दे दिया ।अनूप मन ही मन सोचता रहा कि सभी सहपाठियों के सामने उसकी पोल खुल जाएगी।

पिकनिक के दिन सभी बच्चे बस में सवार होकर झमझमा फॉल्स पहुँचते हैं ।बच्चों के रुकने के लिए वहाँ बहुत सारे तंबू लगाए गएथे।एक तंबू में दो बच्चों को साथ में रहना था। अनूप झट से अजीत को अपना साथी चुन लेता है । उसे पूर्ण विश्वास था कि अजीत को अँधेरे से डर नहीं लग सकता क्योंकि वह (अजीत)स्कूल का जूडो चैंपियन है।

अंत में वे दोनों रात का खाना खाने के तुरंत बाद अपने बिस्तर पर जाकर दुबक जाते हैं । अनूप इस इंतजार में रहता है कि अजीत लाइट बंद करेगा परंतु ऐसा नहीं होता है। अंत में उसे इस सच्चाई का पता चलता है कि अजीत तो उससे (अनूप)भी बड़ा डरपोक है।

अनूप स्थिति को संभाल लेता है ।वह अजीत की पीठ थपथपा कर कहता है कि दोस्त तुम्हें अँधेरे से बिल्कुल डरने की जरूरत नहीं है क्योंकि मैं तुम्हारे साथ हूँ ।तुम आराम से मेरा हाथ थाम कर सो जाओ।

अनूप को मुस्कुराते हुए देखकर अजीत प्रश्न पूछता है। अनूप उत्तर देता है कि तुम्हारी (अजीत) हालत देखकर मुझे एक पागल लड़का याद आ गया ।यह उत्तर अनूप ने दूर अँधेरे में देखते हुए दिया और अंत में कहा -"लेकिन अब वह पुरानी बात है।"

जीवन मूल्य -हमें निडर होकर जीना चाहिए ।डर की वजह से हम जीवन में कई महत्वपूर्ण अवसर खो देते हैं।

[1] निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

क) अनूप कैसा बच्चा था?

उत्तर- अनूप एक अच्छा बच्चा था। वह पढ़ाई में होशियार, खेलों में बेहतर और हाजिर जवाब था।

ख) अनूप पिकनिक पर जाने के लिए क्यों तैयार न था?

उत्तर- अनूप को अँधेरे से डर लगता था ।इसलिए वह पिकनिक पर जाने के लिए तैयार न था ।उसे जंगल के अँधेरे से तो डर था ही ,साथ ही सहपाठियों के सामने अपनी पोल खुलने का भय भी था।

ग)अनूप ने अजीत को ही साथी क्यों चुना?

उत्तर- अनूप ने अजीत को ही साथी इसलिए चुना क्योंकि उसे विश्वास था कि एक जूडो चैंपियन के साथ रहते ,अँधेरे से निकलकर कोई उसका कुछ नहीं बिगाड़ सकता था।

घ) अजीत ने अनूप से क्या कहा?

उत्तर- अजीत ने अनूप से कहा कि उसे अँधेरे से बहुत डर लगता है।

ड) इस पाठ से हमें क्या शिक्षा मिलती है?

उत्तर- इस पाठ से हमें यह शिक्षा मिलती है कि हमें निडर होकर जीना चाहिए ।डर की वजह से हम जीवन में कई महत्वपूर्ण अवसर खो देते है ।

[2] सही उत्तर पर सही का चिन्ह लगाइए-

क) अनूप कैसा बच्चा था?
१)मूर्ख २)घमंडी ३)होशियार
उत्तर-३)होशियार

ख) अनूप को किस चीज से डर लगता था?
१)कुत्ते से २)अँधेरे से ३)पानी से

उत्तर- २)अँधेरे से

ग) अजीत क्या था?
१) कबड्डी चैंपियन २) तैराकी चैंपियन ३)जूडो चैंपियन
उत्तर-३)जूडो चैंपियन

घ) अनूप पिकनिक के लिए कहाँ गया था?
१)मसूरी २)गोवा ३)झमझमा फॉल्स
उत्तर- ३)झमझमा फॉल्स

[3] निम्नलिखित के व्यक्तित्व के बारे में कुछ पंक्तियाँ लिखिए-

क) अनूप - १) अनूप एक अच्छा बच्चा था ।वह पढ़ाई में होशियार ,खेलों में बेहतर और हाजिर जवाब था।
२) उसे अँधेरे से बहुत डर लगता था।
३) उसमें भरपूर आत्मविश्वास था इसलिए उसने साहस से अजीत को निडर होकर सोने के लिए कहा।

ख)अजीत - १) अजीत मेहनती तथा एकाग्रचित्त था।
२) वह स्कूल का जूडो चैंपियन था।
३) वह केवल बाहर से बहादुर दिखता था पर वह डरपोक था और उसे अँधेरे से बहुत डर लगता था।

[4] किसने कहा ? किससे कहा?

(क) " जंगल के अँधेरे में जो होगा सो होगा ,सहपाठियों के सामने पोल खुल जाएगी सो अलग"

किसने कहा---- अनूप ने
किससे कहा---- अपने आप से

(ख) "तुम्हारी हालत देखकर मुझे एक पागल लड़का याद आ गया।"

किसने कहा ----अनूप ने
किससे कहा ----अजीत से

नोट -1)व्याकरण से संबंधित कार्य व्याकरण की पुस्तक से कराया जाएगा।
2) पाठ का सारांश केवल पढ़ने तथा समझने के लिए है।
3) शब्द अर्थ किताब में ही दिए हुए हैं।
4) नई कॉपी उपलब्ध न हो तो किसी रफ कॉपी में पाठ के शब्दार्थ ,प्रश्न उत्तर तथा अभ्यास कार्य लिखें।
5) कठिन शब्दों का लिख -लिखकर अभ्यास करें।
6) पाठ को निम्नलिखित क्रम में कॉपी में लिखें-
क) पाठ के शब्दार्थ
ख) पाठ के प्रश्न उत्तर
ग) पाठ का अभ्यास कार्य ।

Last modified: 15:58